

मुरली कन्हैया दाऊजी के भैया
 सांवरिया सुखधाम मुरली बजा जाओ ।
 नन्द के छैया धैनु चरैया
 प्राण प्यारे घनश्याम मुरली बजा जाओ ॥

प्यारे नटवर गोविन्द गिरिधर तेरे दास की मैं प्यासी
 रैन दिवस मैं तरस रही हूं मिलो पिया सुखरासी
 नहीं आवे नैन आराम—मुरली ॥१॥

पिया बनवारी मोहन मुरारी विनती मानो हमारी
 चरण कमल की चेरी मैं तेरी कान्हल कुंज बिहारी
 बिक गई हूं बिन दाम—मुरली ॥२॥

श्याम छली मेरी आओ गली मैं नितु नितु बाट निहारूं
 केशों का मैं चंवर झुलाऊं आंसुनि चरण पखारूं
 तेरा नाम रटूं आठों याम—मुरली ॥३॥

बांवरी होकर बन बन दूंदू कब मिलोगे मेरे नाथ
 कृपा कर अब प्राण प्यारे राखो चरणनि साथ
 करूं तुम्हें कोट प्रणाम—मुरली ॥४॥